

गाता रहता रेवा के प्यार में SSSSS
 धोखा ही धोखा है- संसार में SSSS मर्क SSSSS

गाता रहता.....

रेंसी श्रद्धा मई रेवा पाई है SSSS
 खुशियों से दामन भरने आई है SSS ॥२॥ मर्क SSSS
 बिखरेंगे ॥२॥ मोती द्वार-द्वार में- धोखा ही धोखा--

गाता रहता.....

चरणों में तेरे दिल लगाया है SSSSS
 दूजान कोई रेवा भाया है SSS ॥२॥ मर्क SSSS
 चलती हैं ॥२॥ आगे उपकार में- धोखा ही धोखा....

गाता रहता.....

चाढ़ें तेरी जो रेवा आती है SSSS
 हंस के दिल को मेरे- तड़पाती हैं SSS ॥२॥ मर्क SSSS
 रोता हूँ ॥२॥ बैठा-इंतजार में- धोखा ही धोखा....

गाता रहता.....

रेवा को जबसे मैंने देखा है SSSS
 मानी किस्मत की मेरी रेखा है SSS ॥२॥ मर्क SSSS
 दोड़ी ॥२॥ "श्री बाबा श्री" की पुकार में- धोखा ही धोखा....

गाता रहता.....